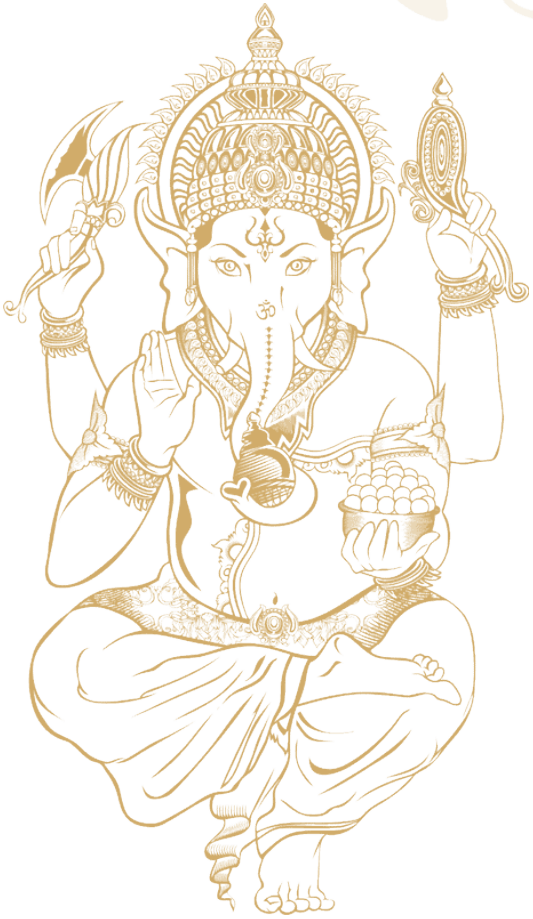

Yash

29 Jul 1993

02:30 AM

Udaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121688507

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28-29/07/1993**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**02:30:00 घंटे**
इष्ट	51:12:00 घटी
स्थान	**Udaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	24:36:00 उत्तर
रेखांश	73:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:55:08 घंटे
वेलान्तर	-00:06:28 घंटे
साम्पातिक काल	22:21:15 घंटे
सूर्योदय	06:01:11 घंटे
सूर्यास्त	19:21:06 घंटे
दिनमान	13:19:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	12:00:23 कर्क
लग्न के अंश	23:45:14 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ब्रह्म
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नो-नौनिहाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	23:45:14	350:24:41	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	---
सूर्य			कर्क	12:00:23	00:57:21	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	16:44:45	13:20:53	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	नीच राशि
मंगल			सिंह	27:24:57	00:36:53	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
बुध			मिथु	24:49:28	00:18:05	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	स्वराशि
गुरु			कन्या	15:31:27	00:08:42	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	01:35:23	01:08:09	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि	व		कुंभ	04:46:53	00:03:58	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु			वृश्चि	17:06:43	00:00:02	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु			वृष	17:06:43	00:00:02	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
हर्ष	व		धनु	25:47:31	00:02:17	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप	व		धनु	25:32:54	00:01:32	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	28:57:20	00:00:10	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
दशम भाव			कुंभ	09:37:07	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:20

लग्न-चलित

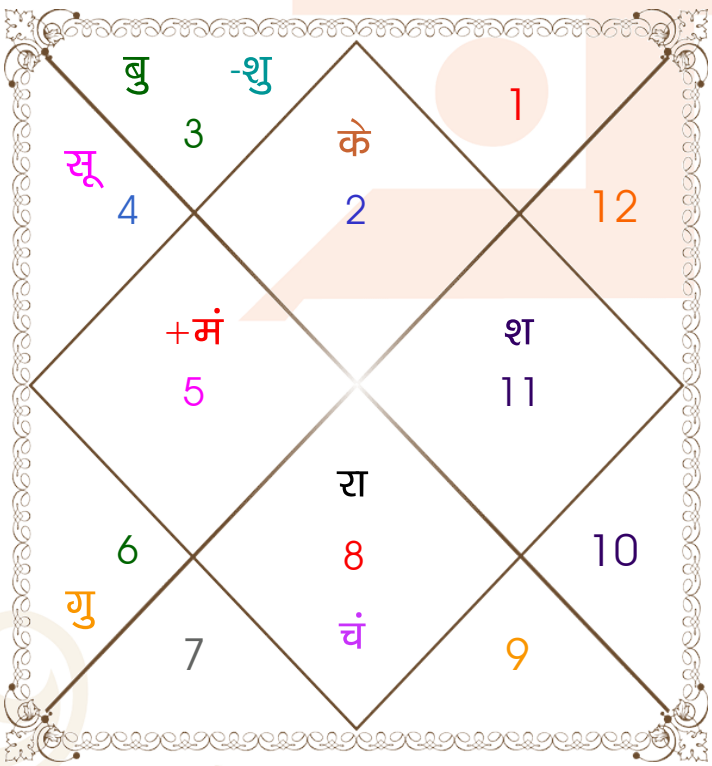

चन्द्र कुंडली

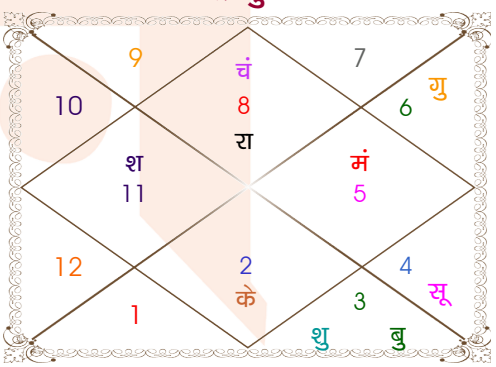

नवमांश कुंडली

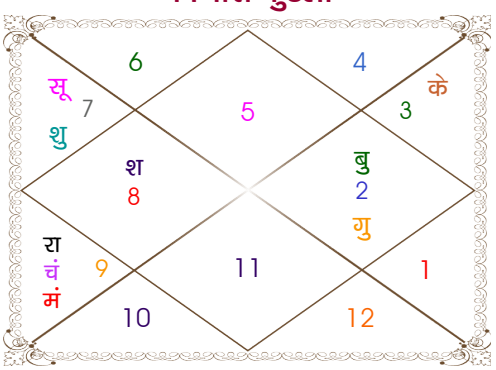

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 16 वर्ष 10 मास 23 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
29/07/1993		22/06/2010		22/06/2017		22/06/2037		22/06/2043	
22/06/2010		22/06/2017		22/06/2037		22/06/2043		22/06/2053	
बुध	18/11/1995	केतु	18/11/2010	शुक्र	21/10/2020	सूर्य	09/10/2037	चंद्र	22/04/2044
केतु	15/11/1996	शुक्र	18/01/2012	सूर्य	21/10/2021	चंद्र	10/04/2038	मंगल	21/11/2044
शुक्र	15/09/1999	सूर्य	25/05/2012	चंद्र	22/06/2023	मंगल	16/08/2038	राहु	22/05/2046
सूर्य	22/07/2000	चंद्र	24/12/2012	मंगल	21/08/2024	राहु	10/07/2039	गुरु	21/09/2047
चंद्र	21/12/2001	मंगल	22/05/2013	राहु	22/08/2027	गुरु	28/04/2040	शनि	22/04/2049
मंगल	19/12/2002	राहु	10/06/2014	गुरु	22/04/2030	शनि	10/04/2041	बुध	21/09/2050
राहु	07/07/2005	गुरु	17/05/2015	शनि	22/06/2033	बुध	14/02/2042	केतु	22/04/2051
गुरु	13/10/2007	शनि	24/06/2016	बुध	22/04/2036	केतु	22/06/2042	शुक्र	21/12/2052
शनि	22/06/2010	बुध	22/06/2017	केतु	22/06/2037	शुक्र	22/06/2043	सूर्य	22/06/2053

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
22/06/2053		21/06/2060		22/06/2078		22/06/2094		23/06/2113	
21/06/2060		22/06/2078		22/06/2094		23/06/2113		00/00/0000	
मंगल	18/11/2053	राहु	05/03/2063	गुरु	09/08/2080	शनि	25/06/2097	बुध	30/07/2113
राहु	06/12/2054	गुरु	28/07/2065	शनि	20/02/2083	बुध	05/03/2100		00/00/0000
गुरु	12/11/2055	शनि	03/06/2068	बुध	28/05/2085	केतु	14/04/2101		00/00/0000
शनि	21/12/2056	बुध	22/12/2070	केतु	04/05/2086	शुक्र	13/06/2104		00/00/0000
बुध	18/12/2057	केतु	09/01/2072	शुक्र	02/01/2089	सूर्य	26/05/2105		00/00/0000
केतु	16/05/2058	शुक्र	09/01/2075	सूर्य	21/10/2089	चंद्र	26/12/2106		00/00/0000
शुक्र	17/07/2059	सूर्य	04/12/2075	चंद्र	20/02/2091	मंगल	03/02/2108		00/00/0000
सूर्य	21/11/2059	चंद्र	03/06/2077	मंगल	27/01/2092	राहु	10/12/2110		00/00/0000
चंद्र	21/06/2060	मंगल	22/06/2078	राहु	22/06/2094	गुरु	23/06/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 16 वर्ष 10 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।